Doon School Founder’s Day celebrations begin with academic exhibitions, Cricket match & plays

By OUR STAFF REPORTER
DEHRADUN, 21 Oct: The Doon School’s 81st Founder’s Day Programme began today. As hundreds of parents, Old Boys and guests descended on the campus, the School came to life with a multitude of events, activities and performances to mark the celebrations.

Guests entered the campus in the morning to visit the academic exhibitions where this year’s theme – Mathematics – included displays of mathematics in real-life to pique interests, such as explaining the math behind gambling, interactive sessions with parents, and live performances to exhibit mathematics in the real world, with the aim to convey that the subject is more lively than what it may seem. Simultaneously, live performances were held on the other side of School – in the form of the annual Hindi Street Play and a concert by the school’s Popular Band. Meanwhile, the annual RL. Holdsworth Cricket Match between the Old Boys and present students went underway, with the students winning by a considerable margin of runs!

At lunchtime, the food stalls were open for all guests to eat, while the school’s Headmaster, Matthew Reggett, hosted a Special Lunch for the Old Boys of the Batches of 1991 and 1996, who were celebrating their Silver and Golden Jubilees, as well as the Batch of 1986 for their 30-year reunion. The event saw many Old Boys meeting each other after many years, for some even decades, to rejoice and remember their school days. After lunch, all guests were ushered to the Vittal Mallya Hall to watch the annual Chandbagh Debate – held between the Silver Jubilee Batch and the present boys. While the topic was ‘This House would do away with punishments’, the debate to be as exciting and contentious as the motion itself, with both teams using both flair and eloquence to supplement their arguments. The judges’ panel included the state’s Deputy Advocate General, as well as two Old Boys. Ultimately, their verdict favoured the present boys, who opposed the motion and won by a large stretch against the proposing Old Boys team.

Before the day ended, however, guests were invited to one of the two-day programme’s hallmark events – the annual Hindi Play, this time an adaptation of Bhishm Sahani’s ‘Muazzeen’. Directed by the Hindi Dramatics Boy-in-Charge and lead actor, Madhav Bhardwaj, with Devendra Mishra as Producer, the play was well received by all guests as having expressed the themes of corruption, bribery, and caste dynamics that describe political affairs in India. At curtain call, the entire Rose Bowl amphitheatre was filled with applause for the cast and crew, who had worked on the production for many months prior to their final performance that evening.

The annual Pagal Gymkhana, as well as the main programme, will be held tomorrow, at which Union Finance Minister Arun Jaitley would be the Chief Guest.
द दून स्कूल के 81वें स्थापना दिवस समारोह का रंगांग आगज, एलमुनाई भी पहुँचे

अमर उजाला क्वॉरी देखाया।

स्थापना प्रसिद्ध द दून स्कूल में 20 से 25 वर्ष बाद तोट सूच छात्र संगीत नीति अभियान में जिन गाए गए। मैंने धुन दून स्कूल के 81वें स्थापना दिवस समारोह का। समारोह में 1991 और 1996 बेंच के पूर्व छात्रों की भी अभियांत्रिकी किया गया। उन्हें कई विशेषताओं में भी हिस्सा लिया।

दून स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में शुभकार का सिव को स्थान पहले गीत पर आर्थिक प्रदर्शनों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में छात्रों ने गिनती का जोड़ने का हुए जोड़ने को, जोड़ने की अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति ने खुन लहर की। इसके बाद आज्ञा जप्तनाथ और सर्वोत्तम खां के बोर फ्रेंचेसा का दर्शन प्रदर्शन हुआ। दून स्कूल के 1991 और 1996 बेंच के पूर्व छात्रों को उल्लंघन ध्वनि शामिल रहा। 30 बाइक मै दून छात्रों ने दिन भारत की गीत पर छात्रों को स्थान पहले गीत पर आर्थिक प्रदर्शनों का प्रदर्शन किया गया।

पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

उनके रूप में छात्र के और स्कूल में गिरावट अपने वक्त की पुरानी छात्रों को।

लंग के बाद वार्षिक चंद्रमा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व हस्तियों ने बढ़ चककर हिस्सा लिया। शुभकार के कामकाज में अंत में हिंदी नाटक मुख्यालय का महत्त्व छात्रों ने लिया। इसमें तत्कालीन और हिंदी उपभाषाकार डायरेक्टर स्कूल के छात्र माधव भद्राजन ने प्रशंसुर वेबसिटी शासक के साथ अनमोल भूमिकाओं लिखी। नाटक के महत्व से छात्रों में भावानुष्टांत, हिंदी और अंग्रेजी का मुहर्रम वे खड़े रहा। दून स्कूल का प्रमुख निर्माण मंडल का अभियोजन किया जाएगा। शाम को समाप्त हो गया।
अतीत में जो खोया, आज पाने का है मौका
द दून स्कूल पहुंचे वित मंत्री ने चीन की आर्थिक नीति को सराहा

मालिक रिश्ते द दून स्कूल में फटाफट डे के अंतर्गत अपनी अद्यावधि के दौरान मौजूद विद्यार्थीय अभिभावक और स्त्रोत।

अमर उजाला ब्राह्मी
देशदल
'हमने 90 के दशक के दौरान 25 विकास स्तर और विकास स्तर 25 विकास का मूलन को देखने के लिए पहुंचे हैं। हमने अतीत में अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत बनाया है, जो अभिभावक जगत में चिन्ही है। द दून स्कूल में विधायक राजनीतिक पहुंच के कीन्हे वित मंत्री अर्जुन जेटली द्वारा कार्यक्रम के समय छात्रों से संबद्ध हुए।

बाहरी मुख्य अर्थशास्त्री पहुंचे। हमने छात्रों को वितरण भाषण में देश के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। हमने कहा कि भविष्य के कई दृष्टिकोण ने अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत करने के उद्देश्य में उठने का अंतर्भाव किया। उन्होने कहा कि वे इस चुनौती के कई तरह नए होगे। अपने स्कूल के विद्यार्थियों को पढ़ाने का उद्देश्य है। वे इस एक छात्र जो भबन अंतिम तक भी अनुष्ठान कार्यक्रम में उड़ते रहने में सहभागी थे।

राजनीति अध्यात्मिक कार्यक्रम के भी अंतिम तक उन्होंने सहभागी थे। उन्होंने अवधि के कार्यान्वयन के लिए दून स्कूल में आयोजित आयोजन किया।
प्रतिस्पर्धा के दौर में उत्कृष्टता जरूरी: जेटली

वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित

दिनेश जेटली, वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में उत्कृष्टता जरूरी है। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। 

दिनेश जेटली किन्हें कहा कि वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित। वित्त मंत्री ने कहा वित्त मंत्री ने दि दून स्कूल के स्थापना दिवस के समापन समारोह पर छात्रों को किया संबोधित।
This issue of The Himachal Times carries a six-page supplement to mark the 77th anniversary of the Doon School Old Boys' Society (DSOBS). The Society was the brainwave of the School's first Head Master – the legendary and visionary Arthur E. Foot. It was formed in 1939, and today it is one of the most active and vibrant old boys' societies with its alumni spread across much of the world. Over the years, it has had many distinguished presidents. Currently, its president is RPN Singh, scion of a blue blooded family from UP. He was a minister of state in the Manmohan Singh government and is today a leading light of the Congress party in Uttar Pradesh. Incidentally, his father late CPN Singh too was in the Congress ministry then headed by Ms. Indira Gandhi.

It publishes an outstanding quarterly newsletter THE ROSE BOWL that provides an intimate platform linking together the old boys in a close bonhomie. It too has had several famed editors. Its current editor is Govind Dhar. His predecessor Valentina Trivedi was certainly among the most distinguished of its editors. We wish to specially thank the authors of the articles for writing exclusive articles for this Special Issue. We also acknowledge the support extended by Rajiv Chopra, ex-Dosco-Class of 1973.

Our Senior Reporter, Sudhir Raina, who is an ex-Dosco, was the coordinator for this Special Issue. Our special thanks to Raj Kanwar for his support.

Editor
आगे बढ़ना है तो मुकाबले को तैयार रहना होगा: जेटली

राष्ट्रपति कार्यालय लखनऊ

शिल्प मंत्री अरवन्द जेटली ने कहा है कि आज शिक्षा के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान बढ़ता है। कभी-कभी प्रतिष्ठान ने भी आयुक्तों अथवा कार्यालयों में एडवर्डन्स ने विषय-विषय नहीं। आगे बढ़ना है तो कड़ा मुकाबला करना होगा।

उल्लेखित मंत्री ने कहा कि नया कानून का निरीक्षण किया गया है। इस मंत्री ने कहा कि आज जनजीवन दृष्टि से प्रदर्शन करने के लिए जटिलता के साथ करना है। उल्लेखित मंत्री ने कहा कि आज आईआईटी जैसे पुरातात्विक संस्थान के नाम का गोटा बढ़ा करा है। इसका कारण उन्होंने कहा कि आज आईआईटी के नाम के साथ करना है।
Doon School '76 Batch visits Cheshire Home

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 24 Oct: The Doon School '76 Batch, led by SS Goyal, Honorary Treasurer of Cheshire Home, visited the Home on 22 Oct and planted a Rudraksh plant there in memory of their visit.

The batch also donated a sum of Rs 1,18,200 for uplift of the Home. The members of the Batch, which had visited Cheshire Home earlier when they were students at The Doon School, very much appreciated the overall improvements noticed by them.

Chairman PC Agerwal, MK Puri and Brig KG Behl expressed their gratitude to them.
Jaitley’s mantra to students: Think off track to fast-track success in life

Dehradun: Union finance minister Arun Jaitley stressed on “unconventional ideas” and “off-track” thinking to take the fast track to success in today’s times, while addressing students at the 81st Founder’s Day of The Doon School in the capital on Saturday evening.

Jaitley said India has now become “far more aspirational and impatient” than ever and that only those who “think differently” can break new ground.

“Mediocrity is going to leave you somewhere lost in the crowd at the bottom. People who are coming up with unconventional ideas and are thinking off track, they are the ones who probably will find that space for excellence and get on to a fast track in life much ahead of the others,” the senior BJP leader said in his keynote speech as the chief guest.

Alluding to a flurry of ingenious startup enterprises in India of late, he said the entrepreneurs behind them are a “crazy bunch of people or disruptors” who dared to venture away from the normal, settled path.

On the trend of a large number of Indian students and professionals moving to foreign shores, he said it could be attributed to a “demographic differential” which has been created over the years.

“Since our population still hasn’t stabilized, we have many more people than we can absorb or subsume into our economy. Therefore, the movement of individuals (to countries with stable population) as an economic necessity and also as an economic resource is bound to take place,” Jaitley said.

He mentioned how key improvements were being made in sectors like highways, airports, public delivery systems and power by the Modi government.

“But what we really have to improve is the quality of rural India, especially the most vulnerable section like the tribals,” he said, exhorting students to contribute their own bit to nation-building once they pass out of their “great institution”.

During the Founder’s Day function, chairman of the Board of Governors of The Doon School, Gautam Thapar, shed light on the developments taking place in the school while headmaster Matthew Baggett spoke about the achievements of the Doscoes.

The audience comprised a large number of present and former students including their families, teachers and guests. Priyanka Gandhi, whose son studies in the school, was also present among the audience.
Dehradun

Doon School celebrates 81st Founder’s Day

Youth need to seize new opportunities to affect pace of change: Arun Jaitley

DEHRADUN, OCT 22 (HTNS)
The Doon School celebrated its 81st Founder’s Day at the open amphitheatre, here today. Union Finance and Corporate Affairs Minister Arun Jaitley was the Chief Guest on the occasion. Present on the occasion was Gautam Thapar, Chairman of the Board of Governors of Doon School.

Speaking on the occasion, Chief Guest Arun Jaitley highlighted the new opportunities created for India and its youth in the present, and how both would have to seize them in order to affect the pace of change.

Having alluded to global developments, start-up enterprises, and the need to converge excellence with a perspective of India's challenge, his speech served as important food for thought for the audience, especially the students who were listening intently.

In his address on the occasion of 81st Founder's day, Gautam Thapar reminisced about the progress the school had made during his years on the board. He expressed his decision to retire from the board after eight years of service.

Headmaster Matthew Raggett, speaking on the occasion, presented a roadmap of development of the school in the future. He said that the school was moving away from rote learning, content-based model of the past to an internationally recognized and skills-based model that will prepare our students to be critical, collaborative and original thinkers.

On leadership he said, “I believe that if anyone with leadership positions is not directly involved in the teaching of what it means to lead then they are undermining our own credibility.”

On working too hard, Matthew Raggett said many of these boys work too hard. You need to believe them when they tell you that they have no homework over the holiday. They can read for pleasure and finish their course work. Holiday is for relaxing, for being together as a family, and to give parents the opportunity to learn from their children what it means to be exceptional.

On the Founder’s Day he said, “I feel very privileged to share my first Founder’s Day with Silver Jubilee for the batch of 1991. If I had been lucky enough to be a Doscio, then this would have been my batch.

The programme ended with a vote of thanks by the school captain along with a short concert by the student musicians, marking the end of yet another annual celebration and festivities at The Doon School of its mission, achievements and continued existence.